यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

प्रेस विज्ञप्ति

31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के वित्तीय परिणाम

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया.

प्रमुख तथ्य (वित्तीय वर्ष 2019-20)

वैश्विक कारोबार ↑ 7.6% (वार्षिक वृद्धि दर)

वैश्विक अग्रिम ↑ 6.6% (वार्षिक वृद्धि दर)

शुद्ध ब्याज आय ↑ 12.0% (वार्षिक वृद्धि दर)

परिचालन लाभ ↑ 22.1% (वार्षिक वृद्धि दर)

घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) ↑ 2.36%

प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) ↑ 73.64%

- गैर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में बढ़कर 58.6% हो गई.
- परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में बढ़कर 53.3% हो गया.
- पीसीआर 31 मार्च 2019 के 66.24% के सापेक्ष 31 मार्च 2020 में सुधरकर 73.64% हो गया.
- 31 मार्च 2020 को निवल एनपीए अनुपात घटकर 5.49% रहा.

कारोबार निष्पादन:

- वैश्विक कारोबार 7.6% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 31 मार्च, 2020 को ₹797589 करोड़ हो गया.
- कुल वैश्विक जमाराशि 8.4% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 31 मार्च, 2020 को ₹450668 करोड़ हो गयी.
- वैश्विक सकल अग्रिम 6.6% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 31 मार्च, 2020 को ₹346921 करोड़ हो गया.
- कासा आधार तिमाही दर तिमाही 119 बीपीएस से बढ़कर 31 मार्च, 2020 को 35.59% हो गया.

मार्च 2020 को समाप्त तिमाही हेतु परिचालन कार्य निष्पादन :

- शुद्ध ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के ₹2602 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 10.6% की दर से बढ़कर ₹2878 करोड़ हो गया.
- गैर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही में ₹1272 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 58.6% की वृद्धि के साथ ₹2018 करोड़ हो गई.
- परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के ₹1730 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 53.3% की वृद्धि के साथ ₹2653 करोड़ हो गया.
- अग्रिमों पर आय वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के 7.51% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में सुधार के साथ 7.57% रहा.
- जमा राशि की लागत वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के 5.66% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में सुधार के साथ 5.46% रहा.

- आय पर लागत अनुपात वित्तीय वर्ष 2019 की चौथी तिमाही के 55.33% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में सुधार के साथ 45.82% रहा.

मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु परिचालन कार्य निष्पादन :

- शुद्ध ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2019 के ₹10215 करोड़ की तुलना में 12.0% की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2020 में ₹11437 करोड़ हो गई.
- वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) वित्तीय वर्ष 2019 के 2.23% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में सुधार के साथ 2.29% हो गया. घरेलू शुद्ध ब्याज आय (एनआईएम) वित्तीय वर्ष 2019 के 2.28% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में सुधार के साथ 2.36% हो गया.
- गैर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2019 में ₹4474 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में 17.6% की वृद्धि के साथ ₹5261 करोड़ हो गई.
- परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2019 में ₹7521 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में 22.1% की वृद्धि के साथ ₹9181 करोड़ हो गया.
- अग्रिमों पर आय वित्तीय वर्ष 2019 में 7.71% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में सुधार के साथ 7.81% रहा.
- आय पर लागत अनुपात वित्तीय वर्ष 2019 में 48.80% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020 में सुधार के साथ 45.02% रहा.

आस्ति गुणवत्ता :

- सकल एनपीए अनुपात 31 मार्च, 2019 को 14.98% के सापेक्ष 31 मार्च, 2020 को घटकर 14.15 % हो गया.
- शुद्ध एनपीए अनुपात 31 मार्च, 2019 को 6.85 % के सापेक्ष 31 मार्च, 2020 को घटकर 5.49% रहा.
- प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 31 मार्च, 2019 को 66.24% के सापेक्ष 31 मार्च, 2020 को सुधार के साथ 73.64% रहा.

पूँजी पर्याप्तता :

- टियर – I और कॉमन इक्विटि टियर - 1 पूंजी अनुपात 31 मार्च, 2020 को क्रमश: 10.75% और 9.40% रहा.
- 31 मार्च, 2020 को बासल III के अंतर्गत जोखिम भारित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी का अनुपात 12.81% रहा.

समामेलन पर अपडेट:

01 अप्रैल, 2020 से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में आंध्रा बैंक एवं कॉर्पोरेशन बैंक का समामेलन हुआ . इस समामेलन के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं:

मिश्रित कारोबार में वृद्धि

- सार्वजनिक क्षेत्र का 5वां सबसे बड़ा बैंक;
- 15 राज्यों में 5% से अधिक बाजार शेयर;
- 120 मिलियन से अधिक ग्राहकों का आधार;
- कुल कारोबार लगभग ₹15 ट्रिलियन;
- सकल अग्रिम लगभग ₹6.50 ट्रिलियन

वृहत नेटवर्क:

- 9500 से अधिक शाखाएँ;
- 13000 से अधिक एटीएम;
- 8200 से अधिक बीसी पॉइंट्स

उत्पादों एवं सेवाओं में उत्कृष्ट

- प्रक्रियाओं के डिजीटाइजेशन एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना
- उद्योग स्तरीय उत्पादों के समरूप नवोन्मेषित एवं सुसंगत उत्पाद
- क्रेडिट एक्सपोजर लेने की क्षमता में वृद्धि
- 10 से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाषाओं में ग्राहक सेवा सहायता प्रदान करना

सिस्टम एकीकरण एवं सामंजस्य स्थापन

- अंतर शाखा परिचालन का एकीकरण
- क्रेडिट प्रोसेसिंग एवं मानव संसाधन सिस्टम के लिए लोन ऑटोमेशन सिस्टम का एकीकरण

संगठनात्मक संरचना में संशोधन

- मुख्य महाप्रबंधक स्तर का शुभारंभ
- कारोबार विकास एवं डिजीटाइजेशन हेतु समर्पित वर्टिकल
- संशोधित अंचलीय एवं क्षेत्रीय ढांचा

COVID-19 से निपटने के लिए नई योजनाओं का शुभारंभ

COVID 19 की महत्वपूर्ण चुनौती के परिप्रेक्ष्य में , बैंक ने मार्च 2020 में चलनिधि असमानता (लिक्विडिटी मिसमैच) में आए दबाव/समस्याओं को कम करने या उपभोगताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु व्यापारिक संस्थाओं, रिटेल ग्राहकों, स्वयं सहायता समूहों के लिए अनेक मुख्य योजनाओं की शुरुआत की है.

- **कोविड इमरजेंसी लाइन ऑफ क्रेडिट (सीईएलसी) :** उधारकर्ताओं के किसी भी क्षेत्र से होने के बावजूद, सभी मौजूदा निधि आधारित कार्यशील पूंजी सीमा हेतु योजना.
- **यूनियन COVID 19 व्यक्तिगत ऋण योजना (यूसीपीएलएस) :** पिछले 12 महीनों से हमारे बैंक के माध्यम से वेतन प्राप्त करने वाले सभी सरकारी/गैर-सरकारी कर्मचारी और मौजूदा रिटेल उधारकर्ताओं के लिए योजना.
- **यूनियन स्वयं सहायता समूह कोविड ऋण सुविधा (यूएससीएसएल) :** संतुष्टिपूर्ण ट्रैक रिकॉर्ड वाले सभी मौजूदा स्वयं सहायता समूहों के लिए योजना
- **यूनियन गारंटीकृत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (यूजीईसीएल) :** भारत स रकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप पात्र व्यावसायिक उद्यम/एमएसएमई उधारकर्ता, जिसमें इच्छुक पीएमएमवाई उधारकर्ता शामिल हैं, के लिए एक विशेष योजना जो कि 29 फरवरी, 2020 को बकाया ऋण राशि की 20% तक अतिरिक्त कार्यशील पूंजी मीयादी ऋण सुविधा के रूप में (बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के मामले में), पूर्व-अनुमोदित मंजूरी सीमा होगी.
- **उदारीकृत कार्यशील पूंजी मूल्यांकन (एलडबल्यूसीए) मॉडल :** मौजूदा एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए योजना , जिनका कोविड 19 महामारी के कारण परिचालन चक्र प्रभावित हुआ है.
- **विस्तारित आंशिक ऋण गारंटी योजना(पीसीजीएस) :** कम मूल्यांकित वाले एनबीएफ़सी/एचएफ़सी/एमएफ़आई को चलनिधि सहायता प्रदान करने के लिए योजना.

----------X----------

दिनांक : 23 जून, 2020
स्थान : मुंबई